आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 09.06.2025 समय : 0705

<><><><><><><>

- सरकार के ग्यारह साल के प्रमुख उपलब्धियों में बुनियादी ढांचा, सुरक्षा और कनेक्टिविटी पर भी ध्यान केन्द्रित।
- राष्ट्रव्यापी प्री–खरीफ अभियान आज से लिटिल निकोबार द्वीपसमूह के मकाचुआ गांव में भी लागू होगा।
- केंद्रीय उपभोक्ता कार्य और अक्षय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा– भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की ओर अग्रसर।
- डिगलीपुर में बाल विकास परियोजना विभाग ग्राम पंचायतों में विशेष शिविर का आयोजन करेगा।

<><><><><><><>

सरकार के ग्यारह साल के प्रमुख उपलब्धियों में बुनियादी ढांचा, सुरक्षा और कनेक्टिविटी पर भी ध्यान केन्द्रित किया गया है। पूर्वोत्तर भारत एक ऐसा क्षेत्र है, जिसे कभी दूर–दराज के इलाकों के रूप में देखा जाता था, अब कनेक्टिविटी और प्रगति के प्रतीक के रूप में खड़ा है। पिछले एक दशक में, पूर्वोत्तर ने अलगाव से एकीकरण की ओर एक उल्लेखनीय बदलाव देखा है। एक्ट ईस्ट पॉलिसी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, यह क्षेत्र उपेक्षा से प्राथमिकता की ओर बढ़ गया है। शांति समझौतों पर हस्ताक्षर करने से क्षेत्र में शांति आई है और हिंसा में कमी आई है और इन प्रयासों ने क्षेत्र में "सशस्त्र बल (विशेष अधिकार) अधिनियम" –AFSPA कवरेज को कम करने का मार्ग प्रशस्त किया है। हाल ही में असम और अरुणाचल प्रदेश ने दशकों पुराने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। पहले से कहीं ज़्यादा कनेक्टिविटी में सुधार हुआ है। दस नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे, मिजोरम जैसे राज्यों में नए रेल संपर्क और ब्रह्मपुत्र पर रो–रो फेरी सेवाओं ने गतिशीलता को बदल दिया है। बोगीबील ब्रिज जैसी प्रतिष्ठित परियोजनाओं ने कभी दूर–दराज के क्षेत्रों को करीब ला दिया है।

पीएम–देवाइन और उन्नति–दो हजार चौबीस जैसी योजनाएं नई आर्थिक संभावनाओं को खोल रही हैं। बुनियादी ढांचे और आजीविका को बढ़ावा देने के लिए एक दशमलव तीन पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक की बाहरी सहायता वाली परियोजनाओं का समर्थन किया गया है। यह क्षेत्र जलविद्युत विकास में बड़े पैमाने पर बढ़ावा देकर पन्द्रह हजार मेगावाट स्वच्छ ऊर्जा का दोहन करने की राह पर है। आज, पूर्वोत्तर सिर्फ एक सीमांत क्षेत्र नहीं है, यह भारत की विकास यात्रा का एक उभरता हुआ इंजन है।

<><><><><><><>

पूरे द्वीपसमूह में उनतीस मई से शुरू हुए राष्ट्रव्यापी प्री–खरीफ अभियान को आज से लिटिल निकोबार द्वीपसमूह के मकाचुआ गांव में भी लागू किया जाएगा। इस अभियान को विभागीय अधिकारियों, कृषि विज्ञान केन्द्रों और अन्य हितधारकों द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य कृषक समुदाय की समस्याओं को हल करना और उन्हें आवश्यकता अनुसार संसाधन उपलब्ध कराना होगा।

<><><><><><><>

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया के प्रभावशाली लोगों और बुद्धिजीवियों से एक राष्ट्र, एक चुनाव पहल को जन आंदोलन में बदलने का आह्वान किया है। बेंगलुरू में एक कार्यक्रम में श्री चौहान ने कहा कि बार–बार चुनाव होने से समय और सार्वजनिक धन की बर्बादी होती है। हर पांच साल में एक साथ लोकसभा और विधानसभा चुनाव होने से प्रशासनिक संसाधनों और धन की बचत होगी। सरकारों को विकास और कल्याण पर अधिक प्रभावी ढंग से ध्यान केंद्रित करने का मौका मिलेगा। उन्होंने हित धारकों से अपील की कि वे एक राष्ट्र, एक चुनाव की मुहिम को सफल बनाने के लिए अपना सक्रिय सहयोग दें ।

<><><><><><><>

केंद्रीय उपभोक्ता कार्य और अक्षय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने देश के अनुकूल वातावरण, प्रचुर संसाधनों और उत्साही युवाओं का हवाला दिया। कर्नाटक के धारवाड़ में कल केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश कई क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बन चुका है। श्री जोशी ने बताया कि दो हजार चौदह में सामने आई चुनौतियों पर काबू पा लिया गया

है और अब देश दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक बनने की राह पर है। उन्होंने बताया कि अब तक चीन और वियतनाम ही दुनिया के अग्रणी उत्पादक देश थे, लेकिन भारत अब उस सूची में शामिल हो गया है। श्री जोश ने जोर देकर कहा कि भारत आज उद्योग, नौकरी, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, परिवहन और बिजली से लेकर हर चीज में आत्मनिर्भर है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक देश बन रहा है।

<><><><><><><>

पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने समुद्री संसाधनों पर आधारित नीली अर्थव्यवस्था के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई है। मोनाको में समुद्री सम्मेलन को संबोधित करते हुए डॉ. सिंह ने समुद्री स्थानिक नियोजन–एम एस पी को ऐसी अर्थव्यवस्था कि लिए प्रमुख उपकरण के रूप में अपनाने में भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एम एस पी समुद्री संसाधनों के अनुकूल, जैव विविधता की रक्षा और तटवर्ती क्षेत्रों में आजीविका सुनिश्चित करने के लिए विज्ञान–आधारित ढांचा प्रदान करता है।

<><><><><><><>

डिगलीपुर में बाल विकास परियोजना विभाग ग्राम पंचायतों में विशेष शिविर का आयोजन करेगा। इन शिविरों का उद्देश्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और अन्य सरकारी कल्याणकारी कार्यक्रम के तहत पात्र लाभार्थियों के नामांकन को सुविधाजनक बनाना है। साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि सभी पात्र महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग, विधवाएं, दिव्यांग और अन्य कमजोर समूहों को केन्द्रीय और राज्य कल्याण योजनाओं के तहत मिलने वाले लाभ प्राप्त हो। इस कार्यक्रम का नेतृत्व बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा किया जाएगा।

<><><><><><><>

पहाड़गांव पुलिस ने बर्डलाइन क्षेत्र में अड़तालीस घंटे के भीतर दिनदहाड़े चोरी के एक मामले को सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बर्डलाइन निवासी नजरुल मंडल ने तीन जून को पुलिस के पास चोरी की शिकायत दर्ज कराते हुए उनके घर से अस्सी हजार रुपये नकद और एक घरेलू गैस सिलेंडर की चोरी की सूचना दी थी। शिकायत के आधार पर, पुलिस थाना पहाड़गांव में तुरंत मामला दर्ज किया गया और थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मोहम्मद इलियास के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल के आसपास के इलाकों में सीसीटीवी विश्लेषण किया और साथ ही स्थानीय खुफिया जानकारी के आधार पर एक संदिग्ध व्यक्ति को ट्रैक किया जो ऑटो–रिक्शा से आते हुए, पीड़ित के घर की ओर बढ़ते हुए और गैस सिलेंडर लेकर निकलते हुए देखा गया। इसके अलावा, तकनीकी निगरानी और मुखबिरों द्वारा तत्काल जमीनी स्तर पर तलाशी अभियान के कारण आरोपी की पहचान और स्थान का पता चला। पश्चिम बंगाल के स्थायी निवासी और वर्तमान में भातुबस्ती निवासी तैंतीस वर्षीय हफीजुल मंडल ने पूछताछ के दौरान अपना अपराध कबूल कर लिया और चोरी की गई वस्तुओं का स्थान बता दिया। चोरी की गई सभी संपत्ति बरामद कर ली गई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। यह पूरा अभियान दक्षिण अंडमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार मीणा के समग्र निर्देशन और पर्यवेक्षण में चलाया गया।

<><><><><><><>

राष्ट्रीय स्मारक सेल्यूलर जेल परिसर में आज दिन में ग्यारह बजे मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। यह अभ्यास कला और संस्कृति निदेशालय द्वारा आपदा प्रबंधन निदेशालय और प्रशासन के अन्य विभागों के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। इस दौरान परिसर और उसके आसपास मौजूद पर्यटकों और आगंतुकों से न घबराने की अपील की गई है। साथ ही अभ्यास में भाग लेने वाले अधिकारियों और स्वयंसेवकों को अपना पूरा सहयोग देने को कहा है।

<><><><><><><>